



नम्बर व लॉ  
अहकाम ज  
हुसम की ल  
में जारी हू

172, 166 से 170, 185 से 188, 23 से 27  
 29, 40 से 44, 55 से 58, 60 किता 26 रकबा  
 7-50 हे० अजाधी (1705, 800 11, 500)  
 के पिता के नाम दर्ज है दुर्गा लाल की  
 मृत्यु हो चुकी है जिसके माता जी बारीलाल  
 अजाधी 5 ल० 7 रकबा अजाधी 1, 2  
 के पिता ए० 3 के द्वारा पं० प्र० राम लाल  
 तथा अजाधी नं० 1, 2 के पिता ए० 3 के  
 पास तथा न० 4 के सहित ए० 5 ल० 7 के साथ  
 बड़ी प्र० 82 रकबा तथा बड़ी के माता गगनिका  
 ने आवों में अपनी-अपनी भूमिों की  
 अफला-बदली (विनिमय) म० 1980 के  
 पंजीकृत अदालत है व 57/3/1/2 का वि० 8  
 पंजीकृत विनिमय अ० 9 म० दि० 14/6/1985  
 के अदालत आरजी पास की दाल स्थिति में  
 अजाधी गंग रबालेदारी भूमि 2 रकबा 189, 190  
 किता 2 रकबा 1-08 हे० अजाधी 8 ल० प्र० की  
 अजाधी गंग के नाम दर्ज किता 119 तथा  
 अजाधी गंग की रबालेदारी भूमि 2 रकबा  
 169, 170 ए० का अजाधी गंग के नाम दर्ज  
 किता 1004 हे० 1-08 हे०

हमें अजाधी 1 अजाधी गंग कहें यह  
 म० न० किता 1 अजाधी प्र० प्र० अजाधी अजाधी  
 अजाधी गंग सल० अजाधी अजाधी पंजीकृत  
 विक्रय पत्र सदमती पत्र का अजाधी गंग  
 किता अजाधी गंग शरी अजाधी अजाधी ए०  
 कहें में अजाधी गंग अजाधी गंग अजाधी गंग  
 अजाधी की सल० अजाधी गंग (विनिमय)  
 पंजीकृत 1980 के अजाधी अजाधी के पूर्व में

अजाधी गंग (दोष)  
 अजाधी गंग (दोष)

तारीख  
को तारीख  
हुए

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामील  
में जारी हुए

ने भूमि अदला-बदली कर ली और  
उसके अतिरिक्त फीके पर कार्रवाई भारत है  
वसुधैव कुटुम्बकम् की लक्ष्येण ही पर सहमति  
प्रदान की है और आज भी लक्ष्य है  
उपर्युक्त वक्तों के महत्त्वपूर्ण प्राप्ति  
गण प्रदान प्राप्त प्राप्त 49 लक्ष 52  
राज्य कार्रवाई अधिनियम (लक्ष्येण-आदि  
दीनेली) स्वीकार किया जाय इच्छित प्रतीत  
होता है।

अतः आदेश है कि,

प्राप्ति प्राप्त प्राप्त  
अन्तर्गत द्वारा 49 लक्ष 52 राजस्व भारत  
अधिनियम (लक्ष्येण आदि दीनेली)  
स्वीकार किया जाता है। लक्ष्येण वसुधैव  
प्राप्ति स्वामिनी भूमि ख. नं० 189, 190  
ग्राम हस्ताक्षर वहाली वसुधैव के प्राप्ति  
स्वामिनी भूमि से हस्ताक्षर जाकर अप्राप्ति  
के नाम दर्ज किया जाय वथा अप्राप्ति  
की स्वामिनी भूमि ख. नं० 169, 170 ग्राम हस्ताक्षर  
वहाली वसुधैव के अप्राप्ति स्वामिनी से  
हस्ताक्षर प्राप्ति के नाम दर्ज किया जाय  
उपर्युक्त प्राप्ति एवं लक्ष्येण वसुधैव  
को लक्ष्येण जारी है। पत्रावली को लक्ष्येण  
लक्ष्येण वहाली वहाली वसुधैव है।

निर्णय हुआ गया।

(नीरज कुमार शर्मा)  
जय जिला (लक्ष्येण वहाली)  
जिला - दारा)